प्राप्तानुगः सपदि शासनमस्य राजा

सम्पाद्य पातकविलुप्तधृतिर्निवृतः १

अन्तर्निविष्टपद्मात्मविनाशहेतुं

शापं द्धड्डवलनमोर्विमिवाम्बुराशिः ११ ५२१

इति श्रीरघुवंशे महाकाये कविश्रीकालिदासकृती मृगयावर्णनो नाम नवमः सर्गः १९१

THE SEPTEMBER PROPERTY OF

I HERRICH HIPPIPE

中国中国市民中国市民中国市区 中国市民中国市区

TRANSMINISTER THE THE STORE TO

गर्वशा - अवाज्ञणानवा अधिकार्तान नगर्गाय

FILLED PERSONS IN THE

क्रानुसही अग्रवता जान प्रातितो ज्या

किनियमिति होत्य भी एक विभिन्न विभिन्न

HOUR FILESTANIST THERESTANISTE

ं सामित्र में सामित्र । उपक्रमान क्रिक्त । उपक्रमान क्रिक्त । उपक्रमान क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त

न जिल्लानेत्सानित विज्ञातिक म

समितिहास संस्थानिक स्थानिक स्थ स्थानिक स्थानिक

ALSO THE STAND STREET, IN